बी.एच.डी.एफ.-101

स्नातक उपाधि कार्यक्रम
(बी.डी.पी.)

सत्रीय कार्य

(जुलाई 2011 एवं जनवरी 2012 सत्रों के लिए)

पाठ्यक्रम कोड : बी.एच.डी.एफ.-101/एफ.एच.डी.-01
हिंदी में आधार पाठ्यक्रम

इग्नू
जन-जन का विश्वविद्यालय
मानविकी विद्यापीठ
इन्दिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय
मैदानगढ़ी, नई दिल्ली - 110 068

हिन्दी का आधार पाठ्यक्रम
सत्रीय कार्य
(खंड 1 से 4 पर आधारित)

सत्रीय कोड : बी.एच.डी.एफ.-101/टी एम ए/2011-12
कुल अंक:100

सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए:

1. नीचे दिए गए वाक्यों में से सही (√) और गलत (×) को चिह्न द्वारा बताइए कि कौन से वाक्य सही हैं और कौन से गलत। 5

(क) आदमी ने पहले बोलना सीखा, बाद में लिखना।
(ख) भाषा के शब्दों को वर्णों के क्रम में लिखना वर्तनी कहलाता है।
(ग) जीवों का विकास बताता है कि मछली का पूर्व रूप मेंढक रहा होगा।
(घ) मानव के विकास में लिपि का कोई योगदान नहीं होता।
(ङ) केरल का कथकली नृत्य पारंपरिक नृत्य है।

2. निम्नलिखित शब्दों के शुद्ध रूप लिखिए: 5

(क) तत्वाधान (ख) अंत्योष्टि (ग) आर्शीवाद (घ) प्रकृति (ङ) राजपाल

3. निम्नलिखित शब्दों के दो-दो पर्याय लिखिए: 5

अतिथि, ईश्वर, सिंह, स्त्री, चंद्र

4. निम्नलिखित शब्दों का संधि-विच्छेद कीजिए 5

सत्यार्थी, सूक्ति, यद्यपि, अन्वय, नयन

5. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लगभग 100-100 । पद में लिखिए: 10

(क) राष्ट्रभाषा और राजभाषा में क्या अंतर है?
(ख) उपसर्ग और प्रत्यय में अंतर स्पष्ट कीजिए।
(ग) कांग्रेस की स्थापना के उद्देश्यों पर प्रकाश डालिए।
(घ) लोकतंत्र के दो महत्वपूर्ण मूल्य स्वतंत्रता और समानता की परिभाषा स्पष्ट कीजिए।

6. निम्नलिखित में से किसी एक पर 300 शब्दों में निबंध लिखिए। 10

(क) शिक्षा एक मूलभूत अधिकार
(ख) मेरा प्रिय लेखक
(ग) भ्रष्टाचार और हमारा समाज
(घ) पर्यावरण की रक्षा

7. निम्नलिखित मुहावरों का वाक्यों में प्रयोग कीजिए: 5

(क) आँख का तारा होना
(ख) आकाश छूना
(ग) ईंट का जवाब पत्थर से देना
(घ) तकदीर चमकना

8. निम्नलिखित शब्दों के संधि-विच्छेद कीजिए: 5

(1) सदैव (2) नरेश (3) मानवेन्द्र (4) देवासुर (5) उद्वेग (6) उद्घाटन (7) सद् विचार
(8) दिगंत

9. निम्नलिखित प्रश्नों में से प्रत्येक के उत्तर 200 शब्दों में लिखिए: 10×2=20

(क) धर्म का सहारा लेकर फलफूल रहे भ्रष्टाचार और महाजन की लालची प्रवृत्तियों पर 'वैष्णव की फिसलन' कहानी के आधार पर आलोचनात्मक निबंध लिखिए।

(ख) दलित बालक के शिक्षा जगत में दाखिल होने के त्रासद अनुभवों को जूठन के आधार पर रेखांकित कीजिए।

10. निम्नलिखित पद्यांश की सप्रसंग व्याख्या कीजिए: 10

चढ़ रही थी धूप
गर्मियों के दिन
दिवा का तमतमाता रूप
उठी झुलसती हुई लू
रूई जो जलती हुई भू
गर्द चिनगी छा गई
प्रायः हुई दोपहर
वह तोड़ती पत्थर

अथवा

मैं नीर भरी दुःख की बदली
स्पंदन में चिर निस्पंदन बसा
क्रंदन में आहत विश्व हसा
नयनों में दीपक से जलते
पलकों में निर्झरिणी मचली।

11. निम्नलिखित अवतरणों की संदर्भ सहित व्याख्या कीजिए: 5×2=10

(क) "न जाने कितनी बाकी है, जो किसी तरह चुकने ही नहीं आती। मैं कहती हूँ, तुम क्यों नहीं खेती छोड़ देते? मर-मरकर काम करो उपज हो तो बाकी दे दो, चलो छुट्टी हुई। बाकी चुकाने के लिए ही तो हमारा जन्म हुआ है। पेट के लिए मजूरी करो। ऐसी खेती बाज आए।"

(ख) "त्यागियों के बच्चे 'चुहड़े का' कहकर चिढ़ाते थे। कभी-कभी बिना कारण पिटाई भी कर कर देते थे। एक अजीब-सी यातनापूर्ण जिंदगी थी, जिसने मुझे अंतर्मुखी और चिड़चिड़ा, तुनकमिजाजी बना दिया था।"

12. निम्नलिखित पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए: 5×2=10

(क) समाचार लेखन
(ख) संपादकीय

सत्रीय कार्य जमा कराने की अंतिम तिथि:
जुलाई 2011 में प्रवेश लेने वाले विद्यार्थियों के लिए : **31 मार्च, 2012**
जनवरी 2012 में प्रवेश लेने वाले विद्यार्थियों के लिए : **30 सितंबर, 2012**

नोट: **याद रखें कि विश्वविद्यालय के नए नियमानुसार परीक्षा में बैठने से पूर्व सत्रीय कार्य जमा कराना अनिवार्य है अन्यथा आपको परीक्षा में बैठने की अनुमति नहीं दी जाएगी।**

SOH/IGNOU/P.O. 32T/July 2011

Printed at : Raj Printer, A-9, B-2, Tronica city, Loni (Gzb.)